हरिभूमि

भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, मंगलवार 5 मई 2026

11 दमकल कर्मचारियों के समर्थन में प्रदर्शन कर ...

12 6 गांवों के किसानों ने टावरों की जमीन के ...

आंधी-तूफान व बरसात ने जमकर मचाई तबाही, बिजली के सैंकड़ों खंबे व पेड़ टूटे

जिले में 19:30 घंटे बत्ती रही गुल, जनजीवन हुआ प्रभावित, घरों और फैक्ट्रियों की टिन गिरी

गुजरानी मोड गोशाला की टीन

लोहारी जाटू

तोशाम

टीन को उठाकर लाते कर्मचारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार करीब साढ़े नौ बजे आई तेज आंधी-तूफान व बरसात ने जिलेभर में जमकर तबाही मचाई। तेज आंधी-तूफान व बरसात की वजह से सैंकड़ों की संख्या में बिजली के पोल व पेड़ टूटकर सड़क मार्गों पर गिर गए, जिसकारण वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा और रविवार रात से ही बिजली गुल रही, जो सोमवार शाम को पांच बजे बहाल हुई।

उल्लेखनीय हैं कि रविवार रात को करीब साढ़े नौ बजे तेज आंधी-तूफान आया, जिसने जमकर तबाही मचा दी। रविवार को साढ़े नौ बजे से शुरू हुई तेज बरसात करीब 12 बजे तक होती रही। इसके बाद सोमवार अलसुबह करीब तीन बजे तक हल्की बूंदाबांदी रही। आंधी-तूफान व उसके साथ आई तेज बरसात ने बिजली के पोल, पेड़, तार, दुकानों के बोर्ड, घरों व फैक्ट्रियों की टिन टूटकर बिखर गई। तेज आंधी और तूफान के कारण सैंकड़ों की संख्या में बिजली के पोल व पेड़ टूट गए, जिसकारण सड़क मार्गों पर आवागमन बुरी तरह से प्रभावित हो गया। वहीं गर्मी के मौसम में रातभर बिजली गायब होने से जनजीवन प्रभावित हो गया। रातभर बिजली का गुल होने से लोग पसीने से तर-बत्तर रहे। रविवार रात साढ़े नौ बजे बंद हुई बिजली सप्लाई सोमवार शाम पांच बजे बहाल हुई। जिसके

खेतों में लगी सोलर प्लेटें टूटकर बिखरी

गांव बीरण निवासी किसान राजेंद्र ने बताया कि उसने बीरण से सुईवाला रोड पर अपने खेतों में पांच किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवा रहा हैं, जिससे वह खेतों में फसलों की सिंचाई करता हैं। रविवार रात को आई तेज आंधी तूफान ने खेत में लगी नौ सोलर प्लेटों में से सात सोलर पैनलों को उखाड़ दिया और सोलर प्लेटों के टुकड़े टुकड़े होकर करीब एक से डेढ एकड़ तक बिखर गए, जिससे उन्हें भारी नुकसान हुआ हैं। वहीं लोहारी जाटू निवासी पुरूषोत्तम ने बताया कि बवानीखेड़ा माइनर के पास उन्होंने साढ़े सात किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाया हुआ हैं। रविवार रात को आंधी तूफान ने सोलर सिस्टम को उखाड़ दिया, जिससे सोलर प्लेटें बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। सोलर प्लेटे क्षतिग्रस्त होने, सोलर सिस्टम की एंगल व फाऊंडेशन डेमेज होने की वजह से उन्हें काफी नुकसान हुआ हैं।

आवागमन रहा बाधित

आंधी तूफान से पेड़ पौधे टूटने से पर्यावरण को नुकसान हुआ, वहीं वाहन चालकों के लिए बहुत बड़ी परेशान का सबब रहा। आंधी तूफान से इतने ज्यादा पेड़ पौधें व बिजली के खबे टूटे की रास्ते जाम हो गए, जिसकारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा और उन्हें अपने गंतव्य पर पहुंचने के लिए लम्बे रास्तों से घूमकर जाना पड़ा। वहीं सड़कों में बने गड्ढों में पानी भरने से वाहन चालकों को और अधिक परेशानी उठी पड़ी, क्योंकि पानी की वजह से वाहन चालकों को गड्ढों का अनुमान नहीं रहा, जिसकारण काफी वाहन गड्ढों की वजह से क्षतिग्रस्त भी हुए। रविवार को दिनभर तेज धूप एवं उमस बनी रही, जिसने लोगों को खूब सताया।

रात को तेज आंधी तूफान व बरसात से तापमान में भारी गिरावट आई। दिनभर तापमान 40 से 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो रात को तेज आंधी तूफान व बरसात के बाद तापमान में भारी गिरावट आई और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे मौसम ठंडा हो गया। वहीं बरसात से मौसम में हुई ठंडक की वजह से लोगों की रात बिना लाइट में गुज सकी, नहीं तो गर्मी में हाहाकार मच जाता और लोग सड़कों पर आ सकते थे।

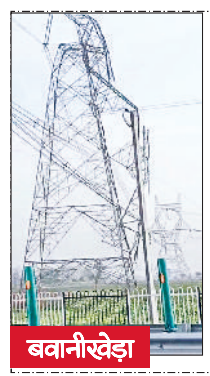

बवानीखेड़ा

बिजली निगम को भारी नुकसान

रविवार को आई तेज आंधी-तूफान व बरसात ने पर्यावरण को भारी मात्रा में नुकसान पाया। आंधी तूफान के कारण सैंकड़ों पेड़ पौधें व बिजली के खंबे टूट गए, जिसकी वजह से रातभर बिजली सप्लाई बहाल नहीं हो सकती। पूरी रात बिजली कर्मचारी फाल्ट ढूंढने में लगे रहे, जो सोमवार को शाम तक भी बिजली सप्लाई ढुरूस्त नहीं कर पाए। आंधी तूफान से जिलेभर में पेड़ पौधें व खंबे टूटे, जिससे निगम को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। वहीं गुजरानी मोड गोशाला की टीन आंधी तूफान में उड़कर पेड़ों पर टंग गई।

31 खंभे उखड़े, 11 घंटे बाद बिजली हुई बहाल

लोहारू। रविवार देर सांय आया तेज बरसाती तूफान बिजली के खंभों के लिए कहर साबित हुआ तथा इस तूफान में बिजली निगम के करीब 31 खंभे जमींदोज हो गए। बिजली निगम कर्मचारियों के प्रयासों से करीब 11 घंटे बाद शहर की बिजली आपूर्ति बहाल हो पाई। लगातार दो दिनों से देर सायं को हो रही तेज आंधी और बरसात ने बिजली निगम कर्मचारियों की दिक्कत बढ़ा दी है। वहीं बत्ती गुल होने से उपभोक्ताओं को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रविवार देर सांय बरसाती तूफान में बिजली निगम के करीब बिजली के 31 खंभे टूटकर नीचे गिर गए तथा ट्रांसफार्मर भी धराशाही हो गया। एसडीओ मनोज कुमार ने बताया कि देर रात को ही बिजली निगम कर्मचारियों ने इलाके में पेट्रोलिंग शुरू कर दी थी। सुबह पेट्रोलिंग के तुरंत बाद बिजली सप्लाई सुचारू होते ही इलाके में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई।

भिवानी। जुई रोड पर भरा दूषित पानी निकालते पीडब्ल्यूडी कर्मचारी।

बरसाती पानी से जलभराव दुकानों में घुसा दूषित पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

> एसडीएम, तहसील, बीडीपीओ कार्यालयों के सामने पानी जमा होने से लोगों को झेलनी पड़ रही परेशानी

> क्षेत्र के व्यापारी बार-बार एसडीएम को मांगपत्र दे चुके हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही

रविवार को बरसात से जुई रोड पर संचालित दुकानों में जलभराव हो गया। इससे सड़क मार्ग से आवागमन करना मुश्किल हो गया। सामाजिक संगठनों के रोष के बाद जागे प्रशासन ने दोपहर बाद आनन फानन में टेंकर लगाकर पानी की निकासी शुरू की। जुई रोड स्थित कैनाल विश्राम गृह के उपमंडल अधिकारी कार्यालय के सामने से गुजरने वाली मुख्य सड़क मार्ग व बाढ़ड़ा से झोझूकलां रोड के जेवली सड़क मार्ग पर आज करीब दो सौ मीटर लंबे हिस्से में पानी भरा हुआ है। दो दर्जन दुकानों में पानी भरने से व्यापारियों को लाखों का नुकसान हुआ है।

वहीं सड़क मार्ग से गुजरने में भी अनेक परेशानी का समाना करना पड़ रहा है। दुकानदार संजय शर्मा, गोपीराम चावला, मनोज जांगड़ा, रमलू बाढड़ा आदि ने बताया कि जुई रोड पर एसडीएम, उपमंडल बिजली कार्यालय, किसान भवन, बीडीपीओ, तहसील केन्द्र संचालित हैं जिससे हजारों लोगों को आवागमन करना पड़ता है, लेकिन बरसाती पानी घरों व दुकानों में प्रवेश कर गया हैं, जो परेशानी का सबब बन गया है। क्षेत्र के व्यापारी बार-बार एसडीएम को मांगपत्र दे चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। व्यापारियों ने बताया कि एसडीएम, तहसील, बीडीपीओ कार्यालयों के सामने पानी जमा होने से वृद्ध सैनिकों, विधवाओं व स्कूली बच्चों को सबसे अधिक समस्या झेलनी पड़ रही है। सामाजिक संगठनों, भूतपूर्व सैनिकों व व्यापारियों ने छह माह से बार बार सरकार को समस्या से अवगत करवाने के लिए मांगपत्र सौंपे, लेकिन प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया।

बाढ़ड़ा में 35 पोल व दो ट्रांसफार्मर गिरे करीब 35 गांवों में रातभर बिजली गुल

बाढ़ड़ा। रविवार रात्रि को आई तेज आंधी ने क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। आंधी के कारण कस्बे सहित आसपास के करीब 30-35 गांवों में रात भर बिजली गुल रही, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ग्रामीण राजेश, अशोक व अनिल ने बताया कि तेज हवाओं के चलते लगभग 30-35 बिजली के पोल गिर गए। वहीं दो बिजली ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गए। इसके चलते पूरे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली विभाग के एसडीओ रामसिंह ने बताया कि आंधी के कारण व्यापक नुकसान हुआ है और विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर मरम्मत कार्य में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द बिजली आपूर्ति बहाल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। रात भर बिजली गुल रहने से ग्रामीणों को गर्मी और अंधेरे में परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं, बिजली कटौती के कारण पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित रही। ग्रामीणों ने विभाग से जल्द व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

मंढाणा में छह, बवानीखेड़ा में 10, जताई में 40, बलियाली और सिवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में दर्जनों बिजली के पोल टूटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा क्षेत्र में रविवार रात आए तेज आंधी-तूफान और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं के साथ आई बारिश ने कई गांवों में भारी नुकसान पहुंचाया। मंढाणा में छह पोल, बवानीखेड़ा में 10 पोल, जताई में 40 पोल, बलियाली, पुर, सिवाड़ा और बड़सी सहित आसपास के क्षेत्रों में दर्जनों बिजली के पोल टूट गए, वहीं अनेक स्थानों पर बड़े-बड़े पेड़ जड़ से उखड़कर सड़कों और खेतों में गिर गए। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई जगहों पर हाईवे के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली की तारें भी टूटकर सड़क पर गिर गईं, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। कई घंटों तक वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। गनीमत रही कि समय रहते लोगों ने सतर्कता बरती, जिससे किसी बड़े हादसे की सूचना नहीं मिली। तूफान के चलते क्षेत्र के अधिकांश गांवों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। रात के समय अंधेरा छा जाने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक आए तूफान ने घरों की छतों पर रखे टीन शेड और अन्य सामान भी उड़ा दिए। वहीं सूरजमुखी की फसल खेतों में बिछ गईं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। विभाग के कर्मचारियों ने तुरंत टीमों का गठन कर प्रभावित क्षेत्रों में काम शुरू कर दिया। अलग-अलग टीमों को विभिन्न गांवों में भेजा गया, जहां वे टूटे हुए बिजली पोल और तारों को ठीक करने में जुट गए। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर पोल पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिन्हें बदलने में समय लग सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि ऐसे मौसम के दौरान पहले से सतर्कता बरती जाए और कमजोर बिजली ढांचे को मजबूत किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके। साथ ही हाईवे पर गिरी तारों और पेड़ों को हटाने के लिए भी प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपील की गई है। वहीं उपमंडल अभियंता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि रविवार रात को आए आंधी तूफान के कारण अनेक बिजली के पोल गिर गए व तारे टूट गई, जिसके लिए टीमें बनाई गई है जो लगातार कार्य कर रही हैं।

तेज अंधड़ से 400 पोल टूटे, 20 घंटे बत्ती गुल, इंवटर भी साथ छोड़ गए

> बिजली निगम के पोल टूटने से लगभग 60 गांवों में बिजली रही बाधित

तोशाम। रविवार देर रात आए तेज अंधड़ से बिजली निगम के करीबन 400 पोल टूट गए, जिससे निगम को लाखों रूपये का नुकसान हो गया। बिजली निगम के पोल टूटने से लगभग 60 गांवों में बिजली बाधित रही। वहीं पेड़ टूटने के कारण रास्तों पर जाम लगा रहा। कई जगह रास्ते भी बाधित रहे। इससे तोशाम शहर में करीबन 20 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, ऐसे में इनवर्टर भी जवाब दे गए।

रविवार देर सांय आए तेज अंधड़ से पेड़ टूटकर बिजली लाईनों पर गिर गए, जिसकारण बिजली निगम के पोल व तार टूट गए। बिजली निगम के कर्मी बिजली को सुचारु करने के लिए लगे हुए थे। अंधड़ से बिजली निगम के एक नंबर डिवीजन के क़रीबन 150 पोल टूट गए। वहीं दूसरे डिवीजन के 250 पोल टूट गए। इससे बिजली निगम को तो लाखों रुपए का नुकसान हुआ ही बल्कि अन्य लोगों को भी काफी नुकसान हुआ गाड़ी के ऊपर बिजली का पोल गिरने से तोशाम में एक कार गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई वहीं तोशाम क्षेत्र के विभिन्न गांव में पोल तथा पेड़ गिरने से विभिन्न मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं जिससे अनेक लोगों को आर्थिक नुकसान हुआ है। निगम के एसडीओ चेतन ने बताया कि अंधड़ से निगम के काफी पोल टूट गए। बिजलीकर्मी बिजली को सुचारु करने के लिए लगे हुए हैं।

सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आठ को

भिवानी। प्रत्येक व्यक्ति को समाजसेवा में हर संभव सहयोग देना चाहिए, रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है, क्योंकि दान के रूप में दी रक्त की चन्द बूदें किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करती हैं। रक्त की कमी से किसी व्यक्ति को जान ना गवानी पड़े, इसके लिए अनेक सामाजिक संस्थाएं रक्तदान शिविर का आयोजन करवाती रहती हैं।

रक्तवीर मनीष वर्मा ने बताया कि विश्व थेलसीमिया व रेडक्रॉस दिवस और महाराणा प्रताप जयंती कि पूर्व संध्या पर 8 मई शुक्रवार को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक चौधरी बंसीलाल अस्पताल के ब्लड बैंक में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रक्तदान शिविर में युवा रक्तदाताओं के भाग की उम्मीद है। शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली है और रक्तदाताओं को किसी तरह की कोई समस्या नहीं आने दी जाएगी।

बीडी गुप्ता पार्क में कागजों में बॉटनिकल गार्डन, हकीकत में कंटीली झाड़ियां

बदहाली के आंसू बहा रहा पूर्व सीएम की स्मृति में बना पार्क

> महापुरुषों के नाम पर बने स्थलों की दुर्दशा उनके नाम का है अपमान, नहीं होगा सहन : ग्रेवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर के प्रमुख स्थलों में शुमार और पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बीडी गुप्ता के नाम पर बना पार्क आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। प्रशासन की अनदेखी के चलते इस पार्क की हालत इतनी दयनीय हो चुकी है कि यहां सुविधाओं के नाम पर केवल अव्यवस्थाओं का अंबार लगा है।

इस गंभीर मुद्दे को लेकर वेटरन संगठन भिवानी के प्रधान सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह ग्रेवाल बामला ने कड़ा रोष प्रकट करते हुए सरकार और प्रशासन को आड़े हाथों लिया है। सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह ग्रेवाल ने तीखे शब्दों में कहा कि इस पार्क को बॉटनिकल गार्डन का दर्जा तो दे दिया गया है, लेकिन धरातल पर एक भी ऐसा पौधा नजर नहीं आता जो इसे यह दर्जा दिला सके। उन्होंने पार्क की बदहाली का कच्चा चिठ्ठा खोलते हुए समस्याएं गिनवाई। उन्होंने कहा कि पार्क में प्लांटेशन के नाम पर कुछ नहीं है। पानी की उचित व्यवस्था न होने के कारण मौजूदा पौधे भी दम तोड़ रहे हैं। पार्क के लगभग 50 फीट के दायरे में कीकर और कटीली झाड़ियों का कब्जा है, जिससे आम नागरिक का यहां पैदल चलना भी दूभर हो गया है। पार्क की पगडंडियां और टाइलें जगह-जगह से उखड़ी हुई हैं। यहां तक कि योग करने के लिए बनाया गया योगा शेड भी पूरी तरह टूट चुका है। पार्क में ना तो पीने के साफ पानी की व्यवस्था है और न ही शौचालय की सुविधा। स्वच्छता के मामले में भी प्रशासन ने यहाँ से पूरी तरह मुंह फेर लिया है।

पौधों को पानी नहीं मिल रहा

सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह ग्रेवाल बामला ने कहा कि एक कुआं और एक झेरा होने के बावजूद पौधों को पानी नहीं मिल रहा। यह प्रशासन की घोर लापरवाही है। वेटरन संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिस महापुरुष के नाम पर इस पार्क का निर्माण हुआ था, उनकी स्मृति का इस तरह अपमान सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग की है कि पार्क की पगडंडियों और योगा शेड की तुरंत मरम्मत करवाई जाए, कटीली झाड़ियों को हटाकर उचित प्लांटेशन किया जाए ताकि यह वास्तव में बॉटनिकल गार्डन जैसा दिखे, पीने के पानी और सुलभ शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि भिवानी की जनता के लिए सुकून और स्वास्थ्य का केंद्र बनने वाला यह पार्क आज प्रशासन की उदासीनता की भेंट चढ़ चुका है।

गांजा तस्करी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सैल भिवानी की टीम ने गांजा बेचने के लिए आ रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एंटी नारकोटिक्स सैल के एएसआई जसवंत सिंह अपनी टीम के साथ गश्त व जांच पड़ताल के दौरान गांव रतेड़ा क्षेत्र में मौजूद थे।

नशा बरामद

पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि मुजादपुर की ओर से एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर मादक पदार्थ गांजा लेकर खानक-तोशाम क्षेत्र में बेचने के लिए आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा तुरंत कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार को रोककर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से 4 किलो 968 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान अमित पुत्र आंनद निवासी मुजादपुर के रूप में हुई है।

आज वॉकथॉन से दिया जाएगा स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

> डीसी वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर करेंगे रवाना

शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के प्रति जागरूकता के लिए स्थानीय चौ. सुरेन्द्र सिंह मैमोरियल हुड्डा पार्क के सामने पांच मई को सुबह आठ बजे वॉकथॉन यानि पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नगर पार्षद और युवाओं के अलावा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे। डीसी साहिल गुप्ता वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी रिषव रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा प्रदेशभर में एक से 15 मई तक विशेष स्वच्छता पखवाड़ा शुरू किया गया है। इस पखवाड़े को नई सोच-नया शहर और स्वच्छ हरियाणा नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि पखवाड़े के दौरान विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों से अपने शहर व कस्बे को स्वच्छ व सुंदर बनाने की अपील की जाएगी। इसी कड़ी में भिवानी शहर में जागरूकता के लिए पांच मई को सुबह आठ बजे वॉकथॉन का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान युवाओं द्वारा शहर को गंदगी से मुक्त करने व सुंदर एवं स्वच्छ बनाने का संदेश दिया जाएगा। वॉकथॉन में नगर पार्षद और युवाओं के अलावा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल होंगे। वॉकथॉन हुड्डा पार्क के सामने से शुरू होकर हांसी गेट, पुरान बस स्टैंड, जेबी गुप्ता अस्पताल के सामने से होकर जीएम अस्पताल व न्यायिक परिसर के सामने से होते हुए पुराना हाउसिंग बोर्ड रोड़ से वापिस हुड्डा पार्क पर संपन्न होगी।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
5 मई 2026

सहेली

विशेष
मातृ दिवस
10 मई

मां तुम हो सबसे प्यारी... सबसे न्यारी...

मां के बारे में कितना भी कहा जाए, लिखा जाए, कम ही होगा। उसकी ममता की कोई थाह नहीं, उसके त्याग की कोई सीमा नहीं। संतान के हित के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तत्पर मां की महानता का वर्णन संभव नहीं। सच! इस दुनिया में कोई रिश्ता नहीं, जो मां जैसा प्यारा हो, मां जैसा न्यारा हो।

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

बिन कहे जो आपकी बात समझ जाए, जिससे बात करके मन हल्का हो जाए, जिसकी गोद में सिर रखकर कुछ पल बैठ जाएं तो स्वर्ग-सा सुख मिले, ऐसा शख्स मां के बिना भला कौन हो सकता है! अपनी संतान से मां का रिश्ता सृष्टि में सबसे सुंदर और अद्वितीय होता है। यह रिश्ता सिर्फ भावनाओं का संगम नहीं, त्याग, शक्ति और अटूट विश्वास की एक अनूठी कहानी है। मां का रिश्ता दुनिया के हर रिश्ते से अलग और बेहद महत्वपूर्ण होता है। मां का रिश्ता एक ऐसी अनमोल विरासत है। एक महिला के रूप में, मां होना पूर्णता का अहसास है और एक संतान के रूप में, मां का होना ईश्वर का वरदान है।

सृष्टि का आधार मां की सृजन-शक्ति

मां का रिश्ता दुनिया का इकलौता ऐसा रिश्ता है, जो जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। नौ महीने तक एक नन्ही-सी जान को अपने भीतर सींचना, उसे अपना रक्त और पोषण देना, यह एक ईश्वरीय अनुभव है। दुनिया का कोई भी दूसरा रिश्ता इस स्तर के शारीरिक और आत्मिक जुड़ाव से नहीं बनता। मां एक 'क्रिएटर' है, यही उसे बाकी सब नातों से ऊपर रखता है। 'मां' केवल एक शब्द नहीं, संपूर्ण सृष्टि का आधार है। भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मान्यताओं में मां को ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति के रूप में देखा जाता है। मां ही वह शक्ति है, जिसके बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। कई धार्मिक विचारों में मां को ईश्वर का साकार रूप माना गया है, क्योंकि जिस प्रकार परमात्मा सृष्टि का आधार है, उसी प्रकार मां अपने परिवार और भावी पीढ़ी का आधार होती है।

पहली गुरु और मार्गदर्शक

मां न केवल जीवन देती है, बल्कि जीवन जीने का सही तरीका और संस्कार भी सिखाती है। एक बच्चा अपनी पहली शिक्षा किसी स्कूल से नहीं, बल्कि अपनी मां की गोद से प्राप्त करता है। भाषा, संस्कार, सही-गलत की पहचान और दुनिया को देखने का नजरिया सब मां ही सिखाती है। मां ही बच्चे की पहली मेंटर होती है। वह बिना किसी डिग्री के भी जीवन के सबसे कठिन पाठ पढ़ा देती है। इसीलिए मां को हमारे जीवन की पहली गुरु और मार्गदर्शक माना जाता है। मां ही बच्चे के साथ सबसे अधिक समय बिताती है, उसे जीवन के प्रारंभिक पाठ सिखाती है। मां की सिखाई बातें जीवन भर अपनी संतान का मार्गदर्शन करती हैं।

निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा

मां के निःस्वार्थ प्रेम और समर्पण के कारण ही उसे जीवनदाता और सबसे अच्छी दोस्त भी कहा जाता है। आज की व्यावसायिक दुनिया में हर रिश्ता किसी न किसी उम्मीद या लेन-देन पर टिका होता है। लेकिन मां का प्यार 'अनकंडीशनल' होता है। बच्चा चाहे कितना भी बड़ा हो जाए, सफल हो या असफल, मां के लिए वह हमेशा वही मासूम जान रहता है। उसका प्यार बदले में कुछ नहीं मांगता, बस अपने बच्चे की मुस्कुराहट चाहता है। मां का स्नेह, त्याग और ममता न केवल बच्चों का मार्गदर्शन करती है, बल्कि समाज और मानवता की नींव भी रखती है।

अनकही बातों को समझने का हुनर

दुनिया के हर रिश्ते में अपनी बात समझाने के लिए शब्दों का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन मां के साथ ऐसा नहीं है। आपकी आंखों की नमी, आपकी आवाज की खनक या आपकी चुप्पी, मां सब कुछ बिना कहे समझ लेती है। यह 'इंट्यूशन' और 'टेलीपैथी' जैसा जुड़ाव केवल मां के साथ होता है। 'मां' के पास अपनी संतान की अनकही बातों को समझने का जो हुनर होता है, वह शब्दों का मोहताज नहीं होता। यह गुण केवल एक मां ही रख सकती है, जिसे दुनिया के किसी और रिश्ते में पाना लगभग असंभव है। एक मां का दिल वह खजाना है, जिसमें केवल त्याग और प्रेम भरा होता है। मां न केवल अपनी संतान की भावनाओं को समझती है, बल्कि उनमें गहरी रुचि और परवाह भी दिखाती है। चाहे रोते हुए बच्चे को चुप कराना हो या किसी जटिल बात को सरलता से समझाना, मां, संचार के इस कौशल में माहिर होती है। मां का धैर्य, उसका निःस्वार्थ प्रेम ही उसे बच्चे के मन की उन बातों को भांपने की शक्ति देता है, जो वह कभी नहीं कह पाता।

सबसे सुरक्षित आश्रय

बाहर की दुनिया कितनी भी कठोर क्यों न हो, जब एक बच्चा अपनी मां की गोद में सिर रखता है, तो उसे दुनिया का सबसे सुरक्षित कोना महसूस होता है। मां की गोद को दुनिया का सबसे सुरक्षित आश्रय मानने के पीछे केवल भावनाएं ही नहीं, बल्कि ठोस वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक शोध निष्कर्ष भी हैं। रिसर्च के अनुसार, मां के साथ शारीरिक संपर्क (जैसे गोद में बैठना या गले लगना) शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन को रिलीज करता है। यह हार्मोन तनाव को कम करता है, सुरक्षा का अहसास दिलाता है और मां-बच्चे के बीच एक अटूट बंधन बनाता है। अध्ययनों से पता चला है कि मां का स्पर्श और उसकी मौजूदगी बच्चे के शरीर में कोर्टिसोल (तनाव बढ़ाने वाला हार्मोन) के स्तर को कम कर देती है। इससे बच्चा खुद को शांत और सुरक्षित महसूस करता है। सिंगापुर में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जो बच्चे मां के अधिक संपर्क में रहते हैं, उनके 'सोशल ब्रेन' का विकास बेहतर होता है। यह उन्हें भावनाओं को समझने और सामाजिक रूप से सक्रिय बनने में मदद करता है। मनोवैज्ञानिक जॉन बाउल्बी की 'अटैचमेंट थ्योरी' बताती है कि मां की गोद बच्चे के लिए एक 'सिक्योर बेस' (सुरक्षित आधार) का काम करती है। जब बच्चा यहां सुरक्षित महसूस करता है, तभी उसमें बाहर की दुनिया को एक्सप्लोर करने का आत्मविश्वास आता है। 'कंगारू केयर' (त्वचा से त्वचा का संपर्क) पर हुई रिसर्च बताती है कि मां की गोद में रहने से शिशुओं के दिल की धड़कन और शरीर का तापमान स्थिर रहता है, जिससे उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है।

विशाल हृदयी-त्याग की मूरत मां

एक महिला जब मां बनती है, तो वह अपनी नींद, अपनी पसंद, अपना करियर और कभी-कभी अपनी पहचान तक को पीछे छोड़ देती है। सबसे रोचक बात यह है कि वह इसे 'त्याग' नहीं मानती, बल्कि अपनी खुशी मानती है। अपनी थाली की आखिरी रोटी बच्चे को खिलाकर पेट भरा हुआ महसूस करना, यह जादू सिर्फ मां कर सकती है। इंसान गलतियों का पुतला है, और हम अकसर जाने-अनजाने अपनों का ही दिल दुखाते रहते हैं। जहां दूसरे रिश्ते छोटी-सी ठेस से टूट जाते हैं या उनमें दरार आ जाती है, मां का दिल वह समंदर है, जो आपकी हर गलती को समा लेता है। वह डांटती है, नाराज होती है, लेकिन कभी आपका हाथ नहीं छोड़ती। उसका विशाल हृदय संतान को क्षमा करने में देर नहीं करता। जब पूरी दुनिया आप पर शक करती है, तब मां ही होती है, जिसे यकीन होता है कि आप सब कुछ कर सकते हैं। मां का 'मेरा बच्चा सबसे अच्छा है' वाला विश्वास हमें बड़े से बड़े संकट से लड़ने की शक्ति देता है। मां का भरोसा ही वह चेतना जगाती है, जिससे हमारा आत्मविश्वास चमकता है।

प्यार से सिखाते-समझाते हुए अपनी मां को बनाएं टेक्नो-स्मार्ट

आप जरूर चाहेंगी कि जैसे स्मार्ट फोन और गैजेट्स के जरिए रोजमर्रा के ढेरों काम आसानी से कर लेती हैं, वैसे ही आपकी मम्मी भी कर लें। इसके लिए आपको ही उनकी हेल्प करनी होगी। उन्हें आप बहुत आसानी से टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं।

सजेशन

ललिता गोयल

आज के डिजिटल दौर में मॉम को भी टेक्नो-फ्रेंडली होना बहुत जरूरी है। इससे उनको अपनी फेवरेट रेसिपी ढूंढ़ने या अपने रिलेटिव्स से बात करने के लिए किसी की मदद का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे खाली समय में अपना एंटरटेनमेंट कर पाएंगी, इससे उन्हें खुशी मिलेगी और उनका कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। आप बहुत आसानी से मॉम को टेक्नो-स्मार्ट बना सकती हैं। इसकी शुरुआत मदर्स-डे से कर सकती हैं।

दोस्त बनकर सिखाएं: अगर टेक्नोलॉजी से जुड़ी मां को एक बार में कोई बात समझ नहीं आ रही तो परेशान या इरिटेट न हों। एक दोस्त की तरह व्यवहार करें, बार-बार प्यार से समझाएं। एक उम्र के बाद टेक्नोलॉजी से जुड़ी बातें सीखने में डर, हिचक होती ही है। ऐसे में उन्हें प्यार से समझाएं, उनका हौसला बढ़ाएं। जैसे आपके बचपन में उन्होंने आपको एक-एक अक्षर और गिनती सिखाई थी, वैसे ही अब आपकी बारी है।

छोटे कदमों से करें शुरुआत: सीधे मुश्किल फंक्शंस सिखाने की बजाय, रोजमर्रा की जरूरत वाली चीजें जैसे- व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल, मैसेज टाइप करना, फोटो शेयर करना, यू-ट्यूब पर वीडियो देखना सिखाएं। जब वे इतना सीख जाएं तब उन्हें दूसरी बातों के बारे में बताएं।

ऑनलाइन फ्रॉड की जानकारी: अपनी मॉम को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के टिप्स भी जरूर बताएं जैसे कि अनजाने लिंक पर क्लिक न करना और ओटीपी शेयर न करना। अनजान लिंक्स के खतरों के बारे में भी समझाएं ताकि कोई नुकसान न उठाना पड़े।

एंटरटेनमेंट: अगर मां को गाने सुनना पसंद हैं, तो उनके फोन पर यू-ट्यूब या स्पॉटीफाई में उनके फेवरेट गानों की प्ले-लिस्ट बना दें। अगर उन्हें किताबें पढ़ना पसंद है, तो ई-बुक्स के बारे में बता सकती हैं। अगर आपकी मां को लिखने का शौक है तो आप उन्हें पर्सनल ब्लॉग बनाना भी सिखा सकती हैं।

वीडियो कॉलिंग: अपनी मम्मी को जरूर सिखाएं कि कैसे वे अपनी सहेलियों या रिश्तेदारों से बिना किसी की मदद के वीडियो कॉल कर सकती हैं। अपने करीबियों को देखते हुए बात करना उन्हें बहुत खुशी देगा।

कैब बुकिंग: ट्रैवल एप के जरिए मां को कहीं भी आने-जाने के लिए कैब बुकिंग करना भी सिखाएं। इससे कहीं भी अकेले आने-जाने के लिए वे आत्मनिर्भर बनेंगी।

हेल्थ-फिटनेस नॉलेज: मां के फोन में कोई योगा एप डाउनलोड कर दें। इनमें 50 से अधिक की उम्र के हिसाब से आसान योगासन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज के तरीके मिल जाएंगे। इनकी मदद से उन्हें फिट और हेल्दी रहने में बहुत मदद मिलेगी।

डिजिटल पेमेंट: उन्हें यूपीआई से पेमेंट करना जरूर सिखाएं। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और जब चाहेंगी अपनी पसंद की शॉपिंग कर सकेंगी। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। जब मां अपनी पसंद की चीजों को डिजिटल तरीके से खुद एक्सेस कर पाएंगी, तो उन्हें बहुत खुशी मिलेगी।

टेक्नो फ्रेंडली बनने के फायदे: जब आपकी मॉम टेक्नोस्मार्ट हो जाएंगी तो यह कई तरीके से उनके लिए फायदेमंद होगा।

- वे घर बैठे ऑनलाइन सामान ऑर्डर कर सकती हैं।
- वे डिजिटल माध्यम से दूर बैठे परिवार वालों से आसानी से जुड़ सकती हैं।
- वे नई चीजें सीखकर नॉलेज बढ़ा सकती हैं।
- अपने खाली समय में एंटरटेनमेंट कर सकती हैं, इससे उन्हें बोरियत नहीं होगी।

स्पेशल क्वालिटी

अंजू जैन

मांएं हर परिवार की धुरी होती हैं। एक साथ कई-कई भूमिकाएं निभाने में एक्सपर्ट मांओं का मैनेजमेंट स्किल कमाल का होता है। हर सदस्य की जरूरत और खुशी का ध्यान रखने में उनका जवाब नहीं होता है। तभी तो हम सब मानते हैं, मां जैसा कोई नहीं।

हर तरह के मैनेजमेंट स्किल में एक्सपर्ट होती हैं मदर्स

पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन, स्ट्रेटेजी, टीम लीडर जैसे भारी भरकम शब्दों का इस्तेमाल किए बिना ही शानदार मैनेजमेंट स्किल का प्रदर्शन करने में एक्सपर्ट होती हैं हम सभी की मांएं। हम उन्हें एक कुशल प्रबंधक की तरह काम करते हुए देखते हैं मगर कभी इस पर ध्यान नहीं दे पाते। कैसे हमारी मां घर को एक सुचारू रूप से चलने वाले प्रोजेक्ट या कंपनी की तरह संभालती हैं, अनजान लोगों, रिश्तेदारों, फाइनेंस, टाइम टेबल, मुसीबतों, बाजार और भावनाओं को एक साथ संतुलित करती हैं। इस पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि उनकी मैनेजमेंट स्किल्स किसी कॉर्पोरेट कंपनी के सीईओ यानी मुख्य कार्यकारी अधिकारी से किसी मायने में कम नहीं हैं। मां बिना किसी ऐसी डिग्री के एक पूरे संस्थान यानी परिवार और घर को सुचारु रूप से चलाती हैं।

बजट और वित्तीय योजना: सीमित संसाधनों में घर को बेहतरीन तरीके से चलाना और भविष्य के लिए बचत करना मांओं को एक कुशल 'फाइनेंसियल मैनेजर और एडवाइजर' बनाता है। वे बिना किसी ट्रेनिंग के घर की 'चीफ फाइनेंसियल ऑफिसर' की तरह काम करती हैं। घर में उपलब्ध संसाधनों का बेहतरीन और अधिकाधिक उपयोग करना मांओं की विशेषता होती है। वे जानती हैं कि बजट कैसे बनाया जाए, आने वाले खर्चों के लिए तैयारी कैसे की जाए और अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए धनराशि कैसे बचाई जाए?

समझती हैं अपनी प्राथमिकताएं: सबसे पहले और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है, यह एक मां से बेहतर कौन समझ सकता है? मां की दिनचर्या को एक दिन के लिए देखें कि वे प्राथमिकताओं को कैसे निर्धारित करती हैं? वे समझती हैं कि कब किस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है और कब उसे शांति से टाला जा सकता है? बच्चे का स्वास्थ्य, उसके स्कूल जाने-आने का समय, खाना बनाने और परोसने का टाइम या पारिवारिक संकट हमेशा उनकी प्राथमिकता में होते हैं। घर के सभी कार्य उनकी व्यस्त रूटीन में समायोजित हो जाते हैं। ठीक वैसे ही जैसे कोई माहिर कॉर्पोरेट मैनेजर करता है।

कई रोल्स में बैलेंस करना: मां खाना बनाने, साफ-सफाई से लेकर घरेलू कार्यक्रमों का आयोजन करने तक, हर काम को कुशलतापूर्वक संभालती हैं। शादी जैसा बड़ा इवेंट भी वे बखूबी मैनेज कर लेती हैं। वे लगातार अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि परिवार का हित प्रभावित न हो और यह सुचारु रूप से चलता रहे। एक साथ कई भूमिकाएं निभाने और कई प्रतिभाएं, गुण रखने को विशेषज्ञता को पालीमैथ कहा जाता है। मम्मियां इसमें दक्ष होती हैं।

अच्छी रोल मॉडल: मांएं अपने परिवार के लिए उदाहरण के तौर पर मौजूद रहती हैं। वे अनुशासन, धैर्य या मेहनत के बारे में सिर्फ किताबी बातें नहीं करतीं, बल्कि हर दिन इसे अपने जीवन में उतारती हैं। उनके बच्चे, पति और सभी परिजन इसे प्रत्यक्ष देखते हैं तो वे प्रेरित होते हैं।

मल्टी-टास्कर: मल्टी-टास्किंग के मामले में मम्मियों को दुनिया में सबसे बेहतरीन माना जाता है। एक मां एक ही समय में खाना बना सकती है, बच्चे की पढ़ाई पर नजर रख सकती है और घर के अन्य जरूरी कामों की योजना बना सकती है। मां एक साथ कई भूमिकाएं निभाती हैं जैसे टीचर, कुक, कंसल्टेंट और चीयरलीडर। यह क्षमता उन्हें जटिल परिस्थितियों में भी कार्यकुशल बनाए रखती है।

मेकअप

सरिता गुप्ता

प्रॉपर मेकअप से मां दिखेंगी सिंपल-सोबर

जिस तरह का मेकअप यंग एज में किया जाता है, वैसा मिड एज में नहीं किया जा सकता है। दरअसल, बढ़ती उम्र के साथ त्वचा में कई बदलाव आने लगते हैं, जैसे झुर्रियां, ढीलापन, ड्रायनेस और पिग्मेंटेशन। ऐसे में मेकअप का तरीका भी बदलना जरूरी हो जाता है। सही मेकअप न केवल चेहरे की कमियों को छिपाता है बल्कि नेचुरल ग्लो भी बढ़ाता है। इस मदर्स-डे पर, अपनी मां को एक नया सिंपल-सोबर लुक देने के लिए आप यहां बताए जा रहे मेकअप स्टेप्स फॉलो करें। यकीन मानिए, आपकी मॉम और भी प्यारी दिखने लगेंगी।

स्किन केयर से करें शुरुआत: मेकअप से पहले स्किन को प्रिपेयर करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ स्किन ड्राय होने लगती है। इसलिए सबसे पहले मॉयश्चराइजर का इस्तेमाल जरूर करें। फिर हाइड्रेटिंग सीरम और प्राइमर का उपयोग करें। इसकी मदद से मेकअप स्मूथ लगता है और लंबे समय तक टिका रहता है।

लाइटवेट फाउंडेशन का करें चुनाव: हैवी फाउंडेशन झुर्रियों को और उभार सकता है। इसलिए हमेशा लाइटवेट और हाइड्रेटिंग फाउंडेशन का इस्तेमाल करें। बीबी क्रीम या सीसी क्रीम भी अच्छा विकल्प है। इसे स्पंज या ब्रश की मदद से हल्के हाथों से लगाएं ताकि स्किन नेचुरल दिखे।

कंसीलर का सही इस्तेमाल: आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स को छिपाने के लिए कंसीलर का उपयोग करें, लेकिन बहुत ज्यादा मात्रा में इसे न लगाएं। हल्के हाथों से ब्लेंड करें ताकि फाइन लाइंस में प्रोडक्ट जमा न हो।

पावडर कम लगाएं: मेकअप में कम पावडर का इस्तेमाल करें। अधिक पावडर लगाने से चेहरा ड्राय और केकी दिख सकता है। सिर्फ टी-जोन (माथा, नाक और ठोड़ी) पर ही हल्का-सा कॉम्पैक्ट पावडर लगाएं। इस सीजन में ट्रांसलूसेंट पावडर बेहतर रहता है।

सॉफ्ट-न्यूट्रल आई मेकअप: बढ़ती उम्र में आई मेकअप को हल्का और सॉफ्ट रखना चाहिए। ब्राउन, पीच या न्यूड शेड्स का इस्तेमाल करें। बहुत ज्यादा ग्लिटर या डार्क शेड्स अप्लाई करने से बचें। आईलाइनर पतला लगाएं और मस्कारा से पलकों को हल्का वॉल्यूम दें। इसके बाद आइब्रो पेंसिल से आइब्रोज को हल्की सी शेप दें।

नेचुरल ग्लो के लिए ब्लशर: बढ़ती उम्र में क्रीम ब्लश का इस्तेमाल करना ठीक रहता है क्योंकि यह स्किन को हाइड्रेटेड लुक देता है। पीच या पिंक शेड चेहरे को फ्रेश और यंग लुक देते हैं।

लिपस्टिक के शेड्स: डार्क और बहुत ब्राइट कलर्स की बजाय सॉफ्ट शेड्स जैसे रोज, पिंक, पीच या न्यूड शेड्स के लिपिस्टिक का चुनाव करना सही रहता है। लिप्स को पहले मॉयश्चराइज करें और फिर लिपस्टिक लगाएं ।

हाइलाइटर का कम यूज: मेकअप के बाद हल्का-सा हाइलाइटर चेहरे को ग्लो देता है। लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल न करें।

सबसे जरूरी बात यह है कि सिंपल और एलिगेंट लुक ही बढ़ती उम्र में सबसे ज्यादा खूबसूरत लगता है।

(मेकअप आर्टिस्ट प्राची गोयल से बातचीत पर आधारित)

एडवाइस

डॉ. आरती आनंद
सीनियर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट
सर गंगाराम हॉस्पिटल, दिल्ली

आप जरूर चाहेंगी कि बढ़ती एज में भी आपकी मॉम न केवल फिजिकली बल्कि मेंटली भी हेल्दी रहें। इसके लिए आप क्या उपाय आजमा सकती हैं, कैसे उनकी मेंटल हेल्थ का ध्यान रखें, जानिए।

मॉम रहेंगी मेंटली हेल्दी

हर परिवार में मां-बेटी के बीच गहरा भावनात्मक लगाव होता है। ऐसे में जिम्मेदार बेटी होने के नाते आपका यह फर्ज बनता है कि आप अपनी मम्मी के मन की बातों को भी समझें। आपकी कोशिश होनी चाहिए कि वे तनावमुक्त और प्रसन्न रहें।

मानसिक सेहत पर प्रभाव: उम्र के पांचवें दशक में प्रवेश करते ही अधिकतर महिलाओं के जीवन में मेनोपॉज की शुरुआत हो जाती है। इस दौरान उनके शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन की मात्रा घटने लगती है। हॉर्मोन संबंधी असंतुलन के कारण महिलाओं को मूड स्विंग की समस्या होती है। वे तनावग्रस्त रहने लगती हैं। उम्र के इस दौर में बच्चों के करियर, विवाह और रिटायरमेंट के बाद पैदा होने वाले खालीपन के बारे में भी सोचकर महिलाएं घबराने लगती हैं।

कैसे पहचानें लक्षण: अगर आपकी मम्मी अकसर सुस्त, चिड़चिड़ी और गुमसुम दिखाई दें या उनकी दिनचर्या और व्यवहार में अचानक कोई बड़ा बदलाव नजर आए, मसलन, कम बोलना, लोगों से मिलने-जुलने से कतराना, एकाग्रता में कमी, निर्णय लेने में घबराहट, रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातें भूल जाना, रात में नींद न आना, सिरदर्द, भोजन में अरुचि, यदि ऐसे कोई भी लक्षण नजर आएं तो उन्हें अनदेखा न करें क्योंकि ये डिप्रेशन, स्ट्रेस और एंग्जाइटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के शुरुआती लक्षण हो सकते हैं। ऐसे में अपनी मां को इमोशनल सपोर्ट देना आपकी जिम्मेदारी है।

क्या करना चाहिए: रोजाना नियमित रूप से अपनी मां के साथ बातचीत के लिए समय निकालें। अगर कभी वह उदास नजर आएं तो उनसे उनकी उदासी का कारण पूछकर उसे दूर करने की कोशिश करें। सहजता से धीरे-धीरे उनके साथ दोस्ताना संबंध विकसित करने की कोशिश करें। जहां तक संभव हो घर के कामकाज में उनका हाथ बंटाएं। रोजाना सुबह जल्दी उठकर उनके साथ योग और मेडिटेशन करें। इससे ब्रेन में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है, जो खुशी का एहसास दिलाने के साथ अच्छी नींद लाने में भी मददगार होता है। इस बात का भी ध्यान रखें कि कहीं आपकी मम्मी को थायरॉइड की समस्या तो नहीं है, उनके शरीर में विटामिन-डी और विटामिन-बी-12 का स्तर सही तो है न? कई बार इनकी कमी के कारण भी महिलाओं को डिप्रेशन और एंग्जाइटी जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याएं परेशान करती हैं। अकेलापन सभी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की सबसे बड़ी वजह है, इसलिए उन्हें उनकी रुचि से जुड़ी किसी भी गतिविधि जैसे कीर्तन, सत्संग या किटी पार्टी में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। किसी वीकेंड पर उन्हें अपने साथ शॉपिंग पर या डिनर के लिए लेकर जाएं। इस उम्र में महिलाओं की घरेलू जिम्मेदारियां सीमित हो जाती हैं, ऐसे में उन्हें खालीपन महसूस होने लगता है। इस समस्या से बचाव के लिए उन्हें उनकी उन हॉबीज की याद दिलाएं। उन्हें जो भी कार्य पसंद हो, उसकी दोबारा से शुरूआत करें। ऐसी रचनात्मक सक्रियता से वह हमेशा तनावमुक्त और खुश रहेंगी।

प्रस्तुतिः विनीता

खबर संक्षेप

भिवानी। पीडितों के पुर्नवास की मांग को लेकर गुहार लगाती पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा।

गरीबों के मकान तोड़ने से पहले पुर्नवास हो

भिवानी। बवानीखेड़ा में गरीबों के मकानों को तोड़ने के विरोध में हरियाणा जागृति मोर्चा के पदाधिकारियों व नपा की पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा नगरपालिका कार्यालय पहुंची। वहां पर पहुंचकर पूर्व पार्षद पीड़ितों के साथ वहीं जमीन पर बैठ गई। इस दौरान नपा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान पूर्व पार्षद एवं अधिवक्ता मीना चौपड़ा ने उक्त पीडितों के मकान न तोड़ने देने तथा उनके पुर्नवास करवाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस पर नपा अधिकारी ने उनकी मांग उपायुक्त तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

हरियाणवी फिल्म पंचायत बनी चर्चा का विषय

भिवानी। हरियाणवी सिनेमा एक बार फिर अपनी खोई चमक वापस पाने के लिए तैयार है। चंद्रावल के दौर वाली विरासत को आगे बढ़ाते हुए निर्देशक रणजीत चौहान व निर्माता तरुण मोर की आगामी फिल्म पंचायत इन दिनों न केवल गलियारों में बल्कि सोशल मीडिया पर भी चर्चा का केंद्र बनी हुई है। फिल्म हरियाणा की संस्कृति, ग्रामीण राजनीति और समाज के अनछुए पहलुओं को बड़े पर्दे पर उतारने का एक साहसिक प्रयास है। पंचायत फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता इसकी कास्टिंग है।

योग क्षेत्र में मिला विशिष्ट सम्मान

बवानीखेड़ा। हरियाणा योग आयोग के नेतृत्व और जिला भिवानी आयुर्वेद अधिकारी के नेतृत्व में जिला स्तरीय विश्व योग दिवस प्रारम्भ महोत्सव सम्मान समारोह कार्यकर्म आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ और विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा योग आयोग के रजिस्ट्रार डॉ राजकुमार वैद उपस्थित रहे उन्होंने जिला भिवानी के आयुष योग सहायकों को योग क्षेत्र में अच्छा कार्य करने के लिए सम्मानित किया जिसमें बवानी खेड़ा के सज्जनपुर व्यायामशाला इंचार्ज आयुष योग सहायक गजानंद कौशिक को विशिष्ट सम्मान के रूप में प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर पुरस्कृत किया गया ।

तूफान से हुए नुकसान का दिया जाए मुआवजा

भिवानी। बवानीखेड़ा क्षेत्र में आए तेज आंधी-तूफान ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। बवानीखेड़ा क्षेत्र के कई गांवों में लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा है, वहीं तेज हवाओं के कारण पेड़-पौधे टूटकर गिर गए। कई जगहों में बिजली के पोल टूट गए। जिससे ग्रामीणों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। अचानक आए इस तूफान ने आमजन की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया और कई परिवारों को नुकसान झेलना पड़ा। इस संबंध में धानक जनकल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष संदीप खरकिया ने हरियाणा सरकार से प्रभावित परिवारों को जल्द आर्थिक मुआवजा देने की मांग की है।

रोडवेज के चालकों को विभाग से वापस बुलाया जाए : नरेंद्र दिनोद

दमकल कर्मचारियों के समर्थन में प्रदर्शन कर जीएम को दिया ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी बस स्टैंड पर दमकल विभाग के कर्मचारियों के समर्थन में रोडवेज कर्मचारियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए 2 घंटे का विरोध प्रदर्शन किया तथा महाप्रबंधक को ज्ञापन सोपा। प्रदर्शन की अध्यक्षता डिपो उप प्रधान प्रताप सिंह राठौड़ ने की तथा संचालन डिपो सचिव अनिल नागर ने किया। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन के राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद, राज्य उप महासचिव पवन शर्मा व राज्य के नेता राजेश शर्मा ने संयुक्त प्रेस बयान जारी करते हुए कहा है कि दमकल विभाग की लंबे समय से चल रही हड़ताल के कारण हरियाणा रोड़वेज के चालकों की सेवा दमकल विभाग में ली जा रही है ।

रोडवेज में चालकों की पहले से ही काफी कमी है, रोडवेज के चालकों को दमकल विभाग में भेजने के कारण बसों के संचालक पर बुरा असर पड़ रहा है। चालकों की कमी के कारण डिपो में बसें खड़ी होने से विभाग को आर्थिक नुकसान हो रहा है वहीं काफी रूटों पर बसें न चलने के कारण आम जनता को भी परिवहन की पर्याप्त सुविधा नहीं मिल रही है। इसके अलावा रोडवेज के चालकों को अग्निशमन यंत्र चलाने का कोई अनुभव न होने के कारण इस भीषण गर्मी में आपात स्थिति में हरियाणा की जनता को भारी नुकसान झेलना पड़ सकता है। रोड़वेज कर्मचारी नेताओं ने कहा कि फरीदाबाद में आग बुझाते समय दमकल विभाग के जो कर्मचारी शहीद हुए हैं उनको शहीद का दर्जा दिया जाए तथा उनके परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता/ मुआवजा राशि दी जाए व परिवार के सदस्य को सरकारी पक्की नौकरी दी जाए, हड़ताली कर्मचारियों से बातचीत कर शीघ्र समाधान किया जाए।

भिवानी। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को संबोधित करते एक वक्ता।

पात्र कर्मचारियों को नियमित किया जाए

इसके अतिरिक्त, माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के 23 दिसंबर 2025 एवं 31 दिसंबर 2025 के निर्णयों में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि पुरानी नियमितीकरण नीतियों (1993, 1996, 2003, 2011 आदि) के तहत पात्र कर्मचारियों को नियमित किया जाए तथा जिन कर्मचारियों ने 31 दिसंबर 2025 तक 10 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा पूर्ण कर ली है, उन्हें भी नियमितीकरण का लाभ प्रदान किया जाना बनता है। 16 अप्रैल के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने भी 16 व 18 जून 2014 की पक्का करने की नीति को वैध घोषित किया है। 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने भी समान काम समान वेतन का फैसला दिया हुआ है इस निर्णय को लागू किया जाए।

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिसर में कर्मचारियों को संबोधित करते कर्मचारी नेता सत्यवीर स्वामी। *फोटो : हरिभूमि*

शिक्षा बोर्ड में प्रशासन के खिलाफ लामबंद हुए कर्मचारी, नारेबाजी की

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के परिसर में उस समय माहौल गरमा गया, जब बोर्ड के कर्मचारी संगठन संबंधित सर्व कर्मचारी संघ ने प्रशासन की कार्यशैली के खिलाफ द्वार सभा का आयोजन किया। कर्मचारियों ने बोर्ड प्रशासन पर तानाशाही और दमनकारी नीतियां अपनाने का गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। सभा की अध्यक्षता कर रहे संगठन के प्रधान सत्यवीर स्वामी व संचालन कर रहे प्रेस सचिव जोगेंद्र ने सांझा रूप से प्रशासन की नीतियों की कड़ी आलोचना की। प्रेस सचिव ने बताया कि बोर्ड प्रशासन कर्मचारियों की जायज मांगों को सुनने के बजाय उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है। विशेष रूप से दो अकुशल महिला कर्मचारियों से स्पष्टीकरण मांगे जाने और एक अधीक्षक व सहायक सचिव के खिलाफ की गई कार्रवाई को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। संगठन का आरोप है कि प्रशासन द्वेष भावना के चलते कर्मचारियों को प्रताड़ित कर रहा है। अर्थहीन कार्यों में ऊर्जा बर्बाद कर रहा बोर्ड प्रधान सत्यवीर सिंह स्वामी ने मंच से बोलते हुए कहा कि प्रशासन का ध्यान बोर्ड और कर्मचारियों के हित में काम करने के बजाय अर्थहीन कार्यों पर है।

भिवानी। फायर स्टेशन के बाहर क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारी।

कर्मचारियों ने दी बिजली ठप करने की चेतावनी

- दमकलकर्मियों की मांगों के प्रति सरकार की चुप्पी से कर्मचारियों में रोष : सुमेर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदेशभर के दमकल विभाग के कर्मचारियों का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को 27वें दिन भी जारी रहा। सरकार की हठधर्मिता और कर्मचारियों की अनदेखी के खिलाफ अब अन्य विभागों में भी भारी रोष पनपने लगा है। सोमवार को भिवानी में दमकल कर्मियों के समर्थन में सर्व कर्मचारी संघ की ब्लॉक कमेटी ने मोर्चा संभालते हुए एक दिवसीय भूख हड़ताल की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। भूख हड़ताल पर मुख्य रूप से ब्लॉक प्रधान अशोक गोयत के साथ सह सचिव सुरजीत रंगा, राजकुमार चांगिया और मनजीत कौशिक बैठे। वहीं, सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुमेर सिंह आर्य, अजय श्योरान, अभिषेक भाटी, सुनील, रवि, सुमेर और नरेन्द्र सिंह सहित दर्जनों नेताओं ने धरने को संबोधित कर कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाया।

व्यवस्था ध्वस्त

सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुमेर सिंह आर्य ने 27 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार की चुप्पी आग में घी डालने का काम कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द ही दमकल कर्मियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आने वाले दिनों में प्रदेश की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। ब्लॉक प्रधान अशोक गोयत का दर्द और आक्रोश साफ झलका। उन्होंने सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि दमकल कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर, पूरी समर्पण भावना से जनता के जान-माल की रक्षा करते हैं। विडंबना देखिए कर्मचारी ड्यूटी के दौरान हादसे का शिकार हो जाते हैं या शहीद हो जाते हैं, तो सरकार उनकी सुध लेना तो दूर उनके परिवारों को राम भरोसे बेसहारा छोड़ देती है। अखिल भारतीय किसान सभा से कामरेड ओमप्रकाश, सुखदेव और इन्द्र सिंह ने सरकार की मजदूर-विरोधी नीतियों की कड़ी आलोचना की। जनवादी महिला समिति, मजदूर यूनियन और रोडवेज यूनियन के पदाधिकारियों ने भी मंच से सरकार को ललकारा और स्पष्ट किया कि वे इस लड़ाई में दमकल कर्मियों के कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े हैं।

बाग कोठी पर मनाया जश्न

- बंगाल विजय सवा सौ करोड़ लोगों के नरेंद्र मोदी पर अटूट विश्वास की है जीत : सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक सफलता और शानदार बढ़त का असर छोटी काशी भिवानी में भी साफ दिखाई दिया।

सोमवार को स्थानीय बाग कोठी स्थित विधायक घनश्याम सर्राफ के कार्यालय पर उत्सव जैसा माहौल रहा। यहां विधायक पुत्र एवं युवा भाजपा नेता अमन सर्राफ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर जश्न मनाया और जीत की खुशी में लड्डू बांटे। इस अवसर पर अमन सर्राफ ने कहा कि यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि देश के सवा सौ करोड़ लोगों के प्रधानमंत्री पर अटूट विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि आज पश्चिम बंगाल में जिस तरह से भाजपा ने ममता राज के किलों को ढहाया है, वह साफ संदेश है कि जनता अब हिंसा और तुष्टीकरण नहीं, बल्कि विकास और सुशासन चाहती है। असम में भाजपा की हैट्रिक और पुडुचेरी में एनडीए का परचम लहराना यह सिद्ध करता है कि प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच रही हैं। भाजपा स्वच्छता विभाग के जिला संयोजक रमेश सैनी ने भी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया।

भिवानी। भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर विधायक के आवास पर खुशी मनाते हुए।

जनता के विश्वास और प्रधानमंत्री की नीतियों की हुई जीतः गजानंद

बहल। पश्चिम बंगाल, असम और पांडिचेरी में भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनावों में मिली प्रचंड जीत पर बहल के पूर्व सरपंच एवं भाजपा नेता गजानंद अग्रवाल ने खुशी जाहिर करते हुए इसे देश की जनता के विश्वास और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चल रही कल्याणकारी नीतियों की जीत बताया। उन्होंने कहा कि इन राज्यों में मिली ऐतिहासिक जीत यह दर्शाती है कि देश की जनता अब विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है। अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुंच रहा है, जिसके कारण जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

भाजपा नेता गजानंद अग्रवाल

भाजपा की जीत पर बांटे लड्डू

- प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर लगाई जनता ने मुहर : जयसिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रभावशाली प्रदर्शन और जीत ने भिवानी जिले में भी उत्साह का संचार कर दिया है। चुनावों के नतीजे आने के बाद सोमवार को भिवानी में जश्न का माहौल रहा, जहां पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जीत का उत्सव मनाया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता जय सिंह वाल्मीकि के नेतृत्व में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने खुशी का इजहार किया और मिठाई खिलाकर सबका मुंह मीठा कराया। जय सिंह वाल्मीकि ने कहा कि यह जीत केवल भाजपा की नहीं, बल्कि देश के उन करोड़ों नागरिकों की जीत है जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर अपनी मुहर लगाई है। जय सिंह वाल्मीकि ने मोदी सरकार की दूरदर्शी नीतियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आज भारत विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में केंद्र

भिवानी। वरिष्ठ भाजपा नेता जयसिंह वाल्मीकि। *फोटो : हरिभूमि*

बंगाल की जनता ने विकासवाद को चुना

भिवानी। पश्चिम बंगाल के चुनावी नतीजों और वहां भाजपा के शानदार प्रदर्शन की धमक अब हरियाणा के भिवानी में भी साफ़ सुनाई दे रही है। बंगाल में भाजपा की जीत से उत्साहित स्थानीय भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शहर की सडकों पर उतरकर जोरदार जश्न मनाया। भाजपा जिला प्रवक्ता विनोद चावला ने कहा कि यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर जनता की अटूट मुहर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नेतृत्व में आज देश हर क्षेत्र में तरक्की कर रहा है। बंगाल के परिणामों ने यह साबित कर दिया है कि वहां की जनता अब तुष्टिकरण और भय की राजनीति से ऊब चुकी है। भाजपा ने बंगाल में उस मिथक को तोड़ दिया है कि वहां किसी और विचारधारा की जगह नहीं है। चावला ने कहा कि यह जीत विकास की जीत है। बंगाल की जनता ने विकासवाद को चुना है।

बहल में निकाला विजयी जुलूस

- जनकल्याणकारी नीतियों और मजबूत नेतृत्व का : रवि महमिया

हरिभूमि न्यूज ⏭बहल

पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनावों में मिली प्रचंड बहुमत से जीत के उपलक्ष्य में क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने चेयरमैन रवि महमिया,पूर्व सरपंच गजानंद अग्रवाल व भाजपा नेता हनुमान शर्मा पाजू के नेतृत्व में भव्य विजय जुलूस निकालकर जोरदार जश्न मनाया। जुलूस में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें युवाओं का उत्साह विशेष रूप से देखने को मिला। जुलूस की शुरुआत स्थानीय कार्यालय से हुई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विभिन्न बाजारों और चौकों से होकर गुजरा। इस दौरान डीजे की धुन पर नाचते-गाते कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिंदाबा, मोदी जिंदाबाद और देश का नेता कैसा हो, नरेंद्र मोदी जैसा हो जैसे गगनभेदी नारे लगाए जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। इस मौके पर चेयरमैन रवि महमिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच, जनकल्याणकारी नीतियों और मजबूत नेतृत्व का परिणाम है। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने एक बार फिर विकास, सुशासन और राष्ट्रहित की राजनीति पर मुहर लगाई है।

बहल। भाजपा की चुनावों में जीत पर विजय जुलूस निकलते हुए भाजपा कार्यकर्ता।

यह जीत एक राज्य की जीत नहीं ,बल्कि प्रधानमंत्री की नीतियों की : कौशिक

भिवानी। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचंड जीत पर भिवानी में भी जश्न का माहौल रहा। सोमवार को स्थानीय भाजपा कार्यालय और विभिन्न चौकों पर भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर खुशी साझा की। इस दौरान कार्यकर्ता ढोल की थाप पर थिरकते भी नजर आए। भाजपा नेताओं का मानना है कि यह जीत केवल एक राज्य की जीत नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों पर जनता की अटूट मुहर है। भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत बताया। उन्होंने कहा कि आज के नतीजे स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अटूट विश्वास रखती है।

देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत है भाजपा की जीत : चंदा गुप्ता

भिवानी। पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के शानदार प्रदर्शन ने हरियाणा के कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है। इसी कड़ी में सोमवार को भिवानी भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष चंदा गुप्ता के नेतृत्व में खुशी मनाई। इस दौरान महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को जीत की बधाई दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व पार्टी नेतृत्व के समर्थन में नारेबाजी की। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष चंदा गुप्ता ने कहा कि यह विजय केवल पार्टी की नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत है। उन्होंने विशेष रूप से महिला शक्ति की सराहना करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक जीत में जितना योगदान पुरुषों का है, महिलाओं की भागीदारी भी उतनी ही सशक्त और बराबर की रही है।

स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं सभ्य समाज की पहचान: बीके शर्मा

- ईश्वरीय योजना समाज में स्वच्छता, संस्कार एवं श्रेष्ठ जीवनशैली स्थापित करने का माध्यम : बीके बीरेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि स्वस्थ और सभ्य समाज की पहचान है, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा के समाजसेवा प्रभाग द्वारा "स्वर्णिम समाज के लिए ईश्वरीय योजना" प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्राम रामबास में ब्रह्माकुमारीज व ग्राम पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में स्वच्छता अभियान एवं डस्टबिन निर्माण के शुभारंभ पर बतौर मुख्यतिथि झोझूकलां के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी दीपक शर्मा ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी समझे तो गांव और समाज दोनों आदर्श बन सकते हैं। माउंटआबू से पधारे समाजसेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्रह्माकुमार बीरेंद्र भाई ने अभियान के लक्ष्य एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ईश्वरीय योजना समाज में स्वच्छता, संस्कार एवं श्रेष्ठ जीवनशैली स्थापित करने का माध्यम है।

भिवानी। अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करते बीके भाई बहन। *फोटो : हरिभूमि*

अधिवक्ता पवन गौतम ने समाधान शिविर में लगाई गुहार

खौफ के साये में जी रहे शंकरगिरी कॉलोनीवासी बंदरों ने जीना किया मुहाल, रोज कर रहे हमले

- बंदरों की हिसंकता के कारण बच्चों, महिलाओं व बुजुर्गों की सुरक्षा पर पैदा हुआ गंभीर खतरा : पवन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हालुवास गेट स्थित शंकरगिरी कॉलोनी में पिछले काफी समय से बंदरों के बढ़ते आतंक ने क्षेत्रवासियों का जीना दूभर कर दिया है। जनहित सुरक्षा एवं कॉलोनीवासियों की समस्याओं को देखते हुए अधिवक्ता पवन गौतम ने क्षेत्रवासियों ने उपायुक्त को कॉलोनीवासियों का हस्ताक्षरयुक्त मांगपत्र सौंपकर इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है। उपायुक्त को सौंपी शिकायत में अधिवक्ता पवन गौतम ने बताया कि क्षेत्र में बंदरों का झुंड ना केवल गलियों और छतों पर डेरा जमाए रखता है, बल्कि अब वे मकानों के अंदर तक घुसने लगे हैं। बंदरों के हिंसक व्यवहार के कारण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने बताया कि बंदरों द्वारा छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर हमला करने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भय व्याप्त है। बंदरों के खौफ के कारण बच्चों ने बाहर खेलना बंद कर दिया है और आम नागरिकों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। यही नहीं बंदरों द्वारा घरों में घुसकर कपड़े फाड़ना, खाने-पीने का सामान उठाकर ले जाना और घरेलू वस्तुओं को नुकसान पहुंचाना अब आम बात हो गई है।

पकड़वाने की फरियाद

अधिवक्ता गौतम ने प्रशासन के समक्ष कॉलोनीवासियों की आवाज उठाई है। अधिवक्ता गौतम ने कहा कि शंकर गिरी कॉलोनी के निवासी पिछले लंबे समय से बंदरों के आतंक के कारण भयभीत हैं और स्कूल के पास स्थित क्षेत्र अब बंदरों का अड्डा बन चुका है। इस दौरान उनके साथ कॉलोनीवासी अनिल कनोडिया, अजीत तंवर, हेमन्त कुमार, अन्नू सोनी, वैभव, कमलेश देवी, राजीव वर्मा, वेदकौर सहित अन्य ने भी मांग की है कि संबंधित विभाग को निर्देशित कर बंदरों को शीघ्र पकड़वाया जाए।

सूचना

मैं, भगवत सिंह पुत्र श्योचन्द निवासी गाँव गागडवास तहसील लोहारू जिला भिवानी बयान करता हूं कि मेरे पुत्र सुनील व मन्जीत मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

सामूहिक प्रयास से ही संभव है जल संरक्षण

चरखी दादरी । उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा कि पानी जैसे प्राकृतिक संसाधन को अगली पीढ़ी तक सुरक्षित पहुंचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। इनका अनावश्यक दोहन भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है इसलिए जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास समय की आवश्यकता है। सामूहिक प्रयास ही जल संरक्षण को संभव बना सकते हैं। उपायुक्त सोमवार को लघु सचिवालय स्थित हाल में जल शक्ति अभियान, जल जीवन मिशन तथा सेमग्रस्त क्षेत्रों से संबंधित पहलुओं पर समीक्षा बैठक ले रहे थे।

शिकायतों के निपटान में देरी नहीं होगी सहन

चरखी दादरी । उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने कहा है कि समाधान शिविरों में प्राप्त लंबित शिकायतों के निपटान में अनावश्यक देरी किसी भी सूरत में सहन नहीं की जाएगी। अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लें और प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में समाधान शिविर आयोजित करने का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

शहीद अमित सांगवान की प्रतिमा का अनावरण किया

चरखी दादरी। गांव सारंगपुर में सोमवार को शहीद अमित सांगवान की प्रतिमा का विधिवत अनावरण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में विधायक सुनील सांगवान ने परिजनों के साथ प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। विधायक ने कहा कि देश की रक्षा करते हुए शहीद अमित सांगवान ने जो साहसा दिखाया उसे हमेशा याद रखा जाएगा।

भाजपा की जीत पर जश्न, लड्डू बांटे

चरखी दादरी । भारतीय जनता पार्टी की विभिन्न राज्यों, खासकर पश्चिम बंगाल में मिली जीत के बाद जश्न का माहौल देखने को मिला। सोमवार को विधायक सुनील सांगवान के निवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर जमकर खुशी मनाई। इस दौरान स्थानीय विधायक सुनील सांगवान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को लड्डू खिलाकर बधाई दी।

किसानों की ओर से नया वैल्यूवर नियुक्त करने की मांग को लेकर

6 गांवों के किसानों ने टावरों की जमीन के लिए मांगा मुआवजा

खेतों के उपर जाने वाले तारों से बना रहता है खतरा

400 केवी टावर लाइन सिवानी से सोनीपत जा रही, मकान नहीं बना सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी के नेतृत्व में तोशाम ब्लाक के गांव डाडम, पिंजोखरा, गारनपुरा, छपार जोगियान, रांगडान, दरियापुर के सैंकड़ों किसानों ने टावर कंपनी द्वारा टावर खड़ा करने की एवज में न्यायोचित मुआवजा नहीं देने के विरोध में सोमवार को भिवानी उपायुक्त कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया तथा जिला प्रशासन से उनकी ओर से जमीन के बाजार भाव का मूल्य तय करने हेतु किसानों का स्वतन्त्र वैल्यूवर नियुक्त करने की इजाजत दी जाए, ताकि उनके खेतों पर खड़े किए जाने वाले टावरों व कोरिडोर का न्यायोचित मुआवजा मिल सके।

गौरतलब है कि सिवानी से 400 केवी टावर लाइन सोनीपत जा रही है, इस बीच उपायुक्त की ओर से ज्ञापन लेने सीटीएम अनिल कुमार किसानों के बीच पहुंचे और आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन इस ओर उचित कार्यवाही करेगा। किसान सभा के जिला सचिव मास्टर जगरोशन, उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश तथा भिवानी ब्लाक प्रधान संतोष देशवाल ने कहा कि इस 400 केवी लाइन के टावर काफी जगह घेरते है और खेतों के उपर जाने वाले तारों से किसान के परिवार को हमेशा खतरा बना रहता है, वहां किसान ट्यूब्वेल, मकान नहीं बना सकता तथा बागवानी भी नहीं कर सकता तथा जमीन की कीमत भी काफी कम हो जाती है। इसलिए किसानों को न्यायोचित मुआवजा मिलना चाहिए, अन्यथा किसान ऐसा नहीं होने देगा। इसलिए किसानों को उनकी भूमि का उचित बाजार भाव पर मूल्यांकन हेतु उन्हें मौका दिया जाए और स्वतंत्र वैल्यूवर नियुक्त हो, उसकी फीस भी किसान देगे। ऐसा मौका कुछ गांव को प्रशासन ने दिया है।

भिवानी। मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपते हुए।

किसानों ने की नारेबाजी

प्रदर्शन के बाद किसान नारे लगाते हुए हड़ताली अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल स्थल तक गए तथा किसान सभा की तरफ से उन्हें समर्थन दिया तथा सरकार द्वारा उनकी मांगे मानने की मांग की। प्रदर्शन में सीटू नेता सुखदेव पालवास, पूर्व पार्षद ईश्वर मान, किसान सभा के तोशाम ब्लाक सचिव नरेन्द्र डाडम, रामफल शर्मा डाडम, मोनू व रवि गारनपुरा, पिजोखरा से धर्मबीर सरपंच, इन्द्र लांबा, जंगबीर डाडम, बलबीर, अमर सिंह, जय कुमार, आदि मौजूद रहे।

सरकारी संपत्तियों के दुरुपयोग को लेकर सौंपी शिकायत

भिवानी। पूर्व जिला पार्षद ईश्वर सिंह मान ने सोमवार को समाधान शिविर उपायुकत को दो अलग-अलग मामलों में शिकायत पत्र सौंपकर शहर में हो रहे अवैध प्रचार, पोस्टरों की भरमार और सरकारी संपत्तियों के दुरुपयोग पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने जिला प्रशासन से तुरंत प्रभाव से इन अनियमितताओं को रोकने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पहली शिकायत में पूर्व जिला पार्षद ईश्वर मान ने बताया कि शहर के प्रमुख चौराहों पर पुलिस पोस्ट बनाई गई हैं। हाल ही में इन पोस्टों की मरम्मत और पेंटिंग की गई है, लेकिन इनके चारों तरफ शहर के एक प्रतिष्ठित व्यापारी और उनके प्रतिष्ठानों का प्रचार किया जा रहा है। ईश्वर मान ने आरोप लगाया कि यह सरकारी नियमों के खिलाफ है और इससे हरियाणा सरकार व प्रशासन की छवि धूमिल होती है। उन्होंने शिकायत में उल्लेख किया है कि आम जनता द्वारा चुने गए विधायक का प्रचार इस तरह पुलिस चौकियों पर किया जाना अनुचित है। उन्होंने अपील की है कि इन पुलिस पोस्टों से तुरंत स्लोगन और प्रचार सामग्री हटाई जाए ताकि शहर में कोई विवाद उत्पन्न न हो। दूसरी शिकायत में ईश्वर मान ने पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा शहर में लगाए गए साइन बोर्डों के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया है। उन्होंने बताया कि शहर के विभिन्न चौराहों पर पीडब्ल्यूडी द्वारा लगभग 80 मजबूत और स्थायी साइन बोर्ड लगाए गए हैं, जो दिशा-निर्देश देने के लिए महत्वपूर्ण हैं। शिकायत के अनुसार इनमें से 10 प्रमुख साइन बोर्डों पर पिछले 10 वर्षों से कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध रूप से विज्ञापन और प्रचार सामग्री लगाई जा रही है। इसका खामियाजा बाहर से आने वाले मुसाफिरों को भुगतना पड़ता है।

बवानीखेड़ा। आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी।

100 मीटर दौड़ में संगीता प्रथम और ऋतु द्वितीय रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बीके शिक्षण महाविद्यालय में वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल-कूद गतिविधियां विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

100 मीटर दौड़, लेमन रेस, लंबी कूद, कबड्डी, खो-खो तथा रस्साकशी जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 100 मीटर दौड़ में संगीता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि ऋतु द्वितीय और कुसुमलता तृतीय स्थान पर रही। वहीं लेमन रेस में दिव्या ने प्रथम स्थान हासिल किया, रवीना द्वितीय स्थान पर रही तथा तृतीय स्थान पर दिव्या रही। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर डॉ. अंकित गोयल, डॉ. साक्षी, हर्ष, डॉ. शर्मिला देवी, कपिला वशिष्ठ, सुमित कुमार, जगबीर सिंह एवं नेहा सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा और उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य ने सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी खेल-कूद में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

पेंटिंग प्रतियोगिता में विनित ने मारी बाजी

लोहारू। मॉडल संस्कृति राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता विषय पर खंड स्तरीय पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्राचार्या पूनम श्योराण ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थी विनित ने प्रथम और लक्ष्य ने द्वितीय स्थान प्राप्त करके विद्यालय का नाम रोशन किया। मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी ऋषभ ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया और प्राचार्या व समस्त विद्यालय के प्रदर्शन की सराहना की। सोमवार को विद्यालय के विद्यार्थियों ने साइक्लोथॉन पर्यावरण सुरक्षा रैली साइकिल रैली भी निकाली गई। जिसमें साइकिलिस्ट लविश श्योराण ने साइक्लोथॉन में भागीदारी करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया है। शहर में साइकिल के प्रति लोगों का रुझान देखने को मिला।

ध्यान केंद्रित कर लक्ष्य हासिल करने में बहुत ही सहायक तीरंदाजी :एडीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ केएम पब्लिक स्कूल में मिलेगी प्रशिक्षण की सुविधा

बॉक्सिंग और कुश्ती में भिवानी जिले का नाम रोशन करने के बाद अब यहां के खिलाड़ी तीरंदाजी में अपने जौहर दिखा सकेंगे, जिसके प्रशिक्षण की सुविधा सोमवार से स्थानीय हांसी गेट स्थित केएम पब्लिक स्कूल में शुरू की गई है। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने सोमवार को स्कूल परिसर में शिवि तीरंदाजी एकेडमी का शुभारंभ किया। यह एकेडमी इसी स्कूल के विद्यार्थी रहे एवं तीरंदाजी कोच कुलविंद्र व उसके सहयोगी हेमंत व कर्ण द्वारा शुरु की गई है। एडीसी ने कहा कि खेल के साथ-साथ तीरंदाजी लक्ष्य को हासिल करने में बहुत सहायक होती है। इससे ध्यान केंद्रित होता है, जो बहुत जरूरी है। शुभारंभ के अवसर पर ओलंपियन शक्ति सिंह, प्रो. सुरेश कुमार, बस्तीराम, जयवीर सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सारिका पंडित ने किया। शुभारंभ के दौरान एडीसी ने तीर से लक्ष्य पर निशाना साधते हुए अपने हाथ आजमाए। उन्होंने कहा कि भिवानी का नाम बॉक्सिंग और कुश्ती में विश्व में प्रसिद्घ है। यहां के खिलाडियों ने दुनिया में जिले का नाम रोशन किया है। यह एकडेमी युवाओं को तीरंदाजी में निपुण करेगी, जिससे अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भाग लेने को प्रेरित किया।

अधिकारी शिकायतकर्ता के फोन जरूर उठाएं

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सोमवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में एसडीएम महेश कुमार की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन हुआ। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्त्ता के फोन जरूरी उठाएं और उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान करें।

समाधान शिविर में संजय शर्मा की पेयजल समस्या की शिकायत पर एसडीएम महेश कुमार ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जब तक स्थायी रूप से पानी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो जाती, तब तक प्रभावित क्षेत्र में टैंकरों के माध्यम से नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए।

लिटल हार्टस की पूल-पार्टी में नन्हे-मुन्हों ने बिखेरे मस्ती के रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शिव नगर कालोनी स्थित लिटल हार्टस कॉन्वेन्ट स्कूल में आज प्री-प्राईमरी ग्रुप की पूल-पार्टी का आयोजन किया गया। विद्यालय के महासचिव संजय गोयल, एम.डी. पवन गोयल व भावना गोयल ने बताया कि इस अवसर पर प्री-प्राईमरी ग्रुप की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमे से प्ले ग्रुप के बच्चों की पूल-पार्टी मुख्य रही जिनके अन्तर्गत बच्चों ने बढ़-चढ़ कर बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया व पूरे हर्षोल्लास के साथ नृत्य किया। विद्यालय के निदेशक रामानन्द सिंघल, ऐश्वर्या सिंघल, राहुल गोयल, विनय गोयल, निश्चल गोयल व साक्षी गोयल ने बच्चों की प्रतिभा व उत्साह की सराहना व उनका उत्साहवर्धन करते हुए बताया कि विद्यालय द्वारा समय-समय पर आयोजित इस प्रकार की गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में बच्चों द्वारा अधिक से अधिक रूप में भाग लेना बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर प्राचार्या वीना सेठ, रिटा शर्मा, कविता, ज्योति, अन्नु, रीना सैनी, रिना सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित था।

आदर्श वमावि में एनसीसी चयन संपन्न

चरखी दादरी। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बौंद कलां में 11 हरियाणा बटालियन एनसीसी भिवानी की ओर से एनसीसी कैडेट्स का चयन सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। चयन प्रक्रिया सीईओ रितेश रंजन तथा कर्नल एंटनी हेनरी सलवन के निर्देशन में आयोजित हुई। इस चयन प्रक्रिया में लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। चयन छात्रों की शारीरिक दक्षता एवं लिखित परीक्षा के आधार पर किया गया। कुल 50 पदों के लिए चयन किया गया, जिसमें जूनियर विंग के 17 तथा जूनियर डिवीजन के 33 कैडेट्स शामिल हैं। चयन समिति में नायक सूबेदार लोकेश, हवलदार अमित, हवलदार मनोज तथा हवलदार गुरविंदर की अहम भूमिका रही। विद्यालय के निदेशक प्रताप सिंह यादव ने कहा कि एनसीसी जैसे मंच छात्रों को देश सेवा के लिए तैयार करते हैं और उनमें जिम्मेदारी एवं समर्पण की भावना विकसित करते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

चार्ज अधिकारी करेंगे मकानों की सूचीकरण कार्य का निरीक्षण: डीसी

■ गणना कार्य में कोताही बरतने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

डीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार एक मई से जनगणना-2027 का कार्य शुरू हो चुका है, जो कि 30 मई तक चलेगा। इस दौरान प्रगणकों द्वारा मकानों की सूचीकरण के साथ-साथ कुछ जानकारियां जुटाई जा रही हैं।

इस दौरान आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नम्बर, बैंक खाते के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारियां हैं जो नागरिकों से नहीं पूछी जाएंगी। यदि कोई प्रगणक ऐसी जानकारी पूछता है तो नागरिक इनके बारे में न बताएं। पांच मई के बाद गणना में नियुक्त चार्ज अधिकारी फील्ड में जाकर मकानों की सूचीकरण कार्य का निरीक्षण करेंगे। डीसी गुप्ता ने बताया कि गणना कार्य के लिए जिला में 2027 ब्लॉक बनाए गए हैं। एक ब्लॉक में 700 से 900 की जनसंख्या है, यानि करीब 150 से 200 मकान शामिल हैं। गणना कार्य के लिए जिला में करीब 2500 प्रगणक लगाए गए हैं। प्रगणकों पर एक सुपरवाइजर लगाया गया है।

सावधान रहिए, क्या नहीं पूछा जाएगा

प्रगणकों द्वारा नागरिकों से आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नम्बर, बैंक की जानकारी व किसी भी प्रकार का ओटीपी की जानकारी नहीं ली जाएगी। यदि ऐसा पूछते हैं तो नागरिक सावधानी बरतें। आने वाले अधिकारी का पहचान पत्र जरूर चेक करें। जनगणना कार्य के चलते नागरिकों की समस्याओं व किसी भी प्रकार के संशय को दूर करने के लिए जिला मुख्यालय पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नंबर 01664-242510 है। नागरिक किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 9 से सायं 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

21 से 23 अगस्त तक लगेंगी लोक अदालत

चरखी दादरी । देश में न्याय व्यवस्था को सरल, सुलभ एवं त्वरित बनाने की दिशा में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण पहल 'समाधान समारोह 2026' शुरू की गई है। इस पहल के अंतर्गत 21, 22 और 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम संजीव काजला ने बताया कि यह अभियान 'सुप्रीम कोर्ट एक्शन फॉर मीडिएट एंड डिस्प्यूट हार्मोनाइजेशन एक्रॉस नेशन' के तहत संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत 21 अप्रैल से हो चुकी है और इसका समापन अगस्त माह में आयोजित विशेष लोक अदालत के साथ होगा।

स्वयं सेवकों ने कॉलेज परिसर तथा आसपास की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पं. सीता राम शास्त्री बीएड ट्रेनिंग कॉलेज, भिवानी में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विकास शर्मा ने की तथा कार्यक्रम का संचालन एनएसएस समन्वयक डॉ. मधु के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने कॉलेज परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया। विद्यार्थियों ने झाड़ू लगाकर कचरा एकत्रित किया और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए नारे भी लगाए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देना और विद्यार्थियों में सेवा भावना विकसित करना था। प्राचार्य डॉ. विकास शर्मा ने कहा कि स्वच्छता न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि एक स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण है। एनएसएस समन्वयक डॉ. मधु ने छात्रों को नियमित रूप से ऐसे सामाजिक कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयंसेवकों ने स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली और भविष्य में भी ऐसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

स्वतंत्र प्रशासक की नियुक्ति पर लगी मुहर

भिवानी। हरियाणा शेखावाटी ब्रह्मचारी आश्रम समिति के प्रधान को लेकर चल रहा कानूनी विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए समिति के निष्पक्ष प्रशासन के लिए एक स्वतंत्र प्रशासक की नियुक्ति पर मुहर लगा दी है। वहीं दूसरी ओर ब्राह्मण समाज ने समिति के पूर्व प्रधान डा. शिव शंकर भारद्वाज पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। ब्राह्मण समाज जनहितार्थ संगठन की बैठक गांव खरककलां में आयोजित हुई तथा सर्वसम्मति से संगठन के महासचिव रामकिशन शर्मा को समाधान शिविर में शिकायत लगाने के लिए अधिकृत किया।

अवैध तारबंदी को हटाकर पौधों को गमलों में लगाया जाए

गांव में तीसरे जोहड़ की जरूरत नहीं : ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गांव की पंचायती भूमि पर नया जोहड़ न खुदवाए जाने तथा अवैध तारबंदी हटवाने तथा पौधों की सुरक्षा के लिए गमले लगवाए जाने की मांग को लेकर गांव नंगला में मौजिज लोगों की बैठक हुई। बैठक में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि नंगला गांव में पहले से ही दो जोहड़ है। जो कि पशुओं के पानी पिलाने के लिए पर्याप्त है। गांव में तीसरे जोहड की कोई जरूरत नहीं है। इस पंचायती भूमि पर शिक्षंण संस्थान (स्कूल, कॉलेज व तकनीकी शिक्षण संस्थान)खुलवाए जाने की मांग पर सहमति बनी। मौजिज लोगों का तर्क था कि अगर शिक्षण संस्थान खुल जाएगा तो गांव के युवाओं को पढ़ने तथा तकनीकी शिक्षा पाने का अवसर मिल सकेगा। साथ ही कुछ लोगों द्वारा पंचायती जमीन पर तीसरे जोहड़ बनाने की प्रस्तावित योजना पर ऐतराज भी जताया। मौजिज लोगों की बैठक में पौधों की सुरक्षा के लिए मंगवाए गए गमलों को लेकर भी मंथन हुआ। लोगों ने बताया कि पौधों की सुरक्षा गमलों से भी बेहतर हो सकती है।

भिवानी। मांगों को लेकर मंथन करते गांव के लोग।

ग्राम सचिव ने मौके पर पहुंचकर काम रुकवा

उल्लेखनीय है कि 10 अप्रैल को बीडीपीओ कार्यालय में इन बातों को लेकर दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी थी कि गांव में नया जोहड़ नहीं बनेगा और अवैध तारबंदी हटाई जाएगी। समझौते के बाद 12 अप्रैल को ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा कर बचे हुए 200-250 पौधों की सुरक्षा के लिए गमले लगाने शुरू कर दिए। तभी ग्राम सचिव ने मौके पर पहुंचकर काम रुकवा दिया और 15 अप्रैल को दोबारा पंचायत में फैसला लेने की बात कही। 15 अप्रैल को सरपंच की अनुपस्थित के कारण बैठक रद्द हुई। हैरानी की बात यह है कि उक्त बैठक सभी पक्ष मौजूद थे,लेकिन न जाने किस वजह से सरपंच उक्त बैठक में शामिल नहीं हुई, जिसके बाद 24 अप्रैल को ग्राम सचिव की अध्यक्षता में 16 सदस्यीय कमेटी का गठन कर मामला सुलझाया गया। जलाधिकार फाउंडेशन के प्रतिनिधि व कर्मचारी आनंद के बीच क्या संबंध है। इसको लेकर भी बैठक में चर्चा चली। इस मौके पर कृष्ण, रणबीर, धर्मबीर, संदीप, सुभाष, रामबीर, सत्यवान, राजेश आदि मौजूद थे।